पत्रिका

प्रो. सोहनदान को साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार

जोधपुर @ पत्रिका. प्रोफेसर (डॉ.) सोहनदान चारण को उनकी राजस्थानी अनुवाद कृति 'भीलां रौ भारथ' पर साहित्य अकादमी राजस्थानी अनुवाद अवॉर्ड 2024 देने की घोषणा हुई। साहित्य अकादमी सचिव के.श्रीनिवास राव ने बताया कि प्रोफेसर (डॉ.) सोहनदान चारण ने गुजराती भाषा के प्रतिष्ठित लेखक भगवानदास पटेल रचित आदिवासी महाकाव्य 'भीलों नुं भारथ' का राजस्थानी भाषा में अनुवाद के लिए यह चयन किया है। इस अनुवाद पुरस्कार के अंतर्गत डॉ.सोहनदान चारण को ताम्रफलक, 50 हजार रुपए, शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर साहित्य अकादमी के विशेष समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार की घोषणा के बाद चारण ने इस कृति के बारे में बताया कि भीलां रौ भारथ मूलरूप से गुजराती भाषा में रचित आदिवासी महाकाव्य का राजस्थानी अनुवाद है, जिसमें बताया गया है कि भील समाज में महाभारत की कथाओं को ऋतुचक्र के आधार पर वर्षभर गाने और सुनने अद्भुत परम्परा है। जैसे भादवा में भजन, आसोज अरेला, काती में वही, पोस में काबरिया कोळ्यी, फागण व चैत्र में सब अभियानों गीतों नाम से जाने जाते हैं। इस पुस्तक में गुजरात एवं राजस्थान के सीमा पर अरावली की गोद में निवास करने वाले भील समाज की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, व्यापारिक, राजनैतिक एवं साहित्यिक परम्पराओं को शोधपरक दृष्टि से उजागर किया गया है।

प्रो. सोहनदान चारण

08/03/2025 | Jodhpur City | Page : 21
Source : https://epaper.patrika.com/